



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 222]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 1, 1976/आषाढ़ 10, 1898

No. 222]

NEW DELHI, THURSDAY, JULY 1, 1976/ASADHA 10, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 1st July 1976

G.S.R 435(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 23/75-Central Excises, dated the 1st March, 1975, the Central Government hereby exempts vegetable product, falling under Item No. 13 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) in the manufacture of which indigenous cotton seed oil is used and such vegetable product is cleared from a factory during the period of six months commencing on the 1st July, 1976 and ending with the 31st December, 1976 and thereafter during every six months commencing on the 1st January or the 1st July, as the case may be, of every year, from so much* of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the amount calculated at the rates specified in column (3) of the Table hereto annexed on the quantity of indigenous cotton seed oil, as is specified in column (2) of the said Table,—

- (a) which is used in the manufacture of such vegetable product, and
- (b) which, whether by itself or in admixture with other substances, has by hydrogenation been hardened during manufacture of such vegetable product.

THE TABLE

S. No.	Quantity of indigenous cotton seed oil which, whether by itself or in admixture with other substances, has by hydrogenation been hardened during manufacture of such vegetable product.	Rate per metric tonne of indigenous cotton seed oil which, whether by itself or in admixture with other substances, has by hydrogenation been hardened during manufacture of such vegetable product.
(1)	(2)	(3)
1.	On the quantity of indigenous cotton seed oil hardened by hydrogenation as is in excess of 30 per cent but not in excess of 40 per cent of the total weight of such vegetable product.	Rupees two hundred,
2.	On the quantity of indigenous cotton seed oil hardened by hydrogenation as is in excess of 40 per cent but not in excess of 50 per cent of the total weight of the said vegetable product,	Rupees two hundred and fifty.
3.	On the quantity of indigenous cotton seed oil hardened by hydrogenation as is in excess of 50 per cent of the total weight of the said vegetable product.	Rupees two hundred,

Provided that—

- (i) no such exemption from duty shall be admissible in respect of the said vegetable product where the indigenous cotton seed oil which, whether by itself or in admixture with other substances, has by hydrogenation been hardened does not exceed 30 per cent of the total weight of such vegetable product;
- (ii) the amount of the duty by which such vegetable product is exempt under the provisions of this notification shall be—
 - (a) computed separately at each different rate specified in the said Table and the amounts so computed aggregated; and
 - (b) credited in the assessee's account—Current referred to in rule 173-G of the Central Excise Rules, 1944.

[No.209/76--C.E.]

N. RAJA, Under Secy.

राजस्व और बैंककारी विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1976

सां. कां. नि० 435 (अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 23/75-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च 1975 को अधिकांत करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 12 के अन्तर्गत निम्नलिखित

उत्पादों को जिनके विनिर्माण में देसी बिनोले के तेल का प्रयोग किया जाता है और जिन वनस्पति उत्पादों की 1 जुलाई, 1976 को आरम्भ होकर 31 दिसम्बर, 1976 को समाप्त होने वाले छह मासों के दौरान और तत्पश्चात् प्रतिवर्ष, यथास्थिति पहली जनवरी या पहली जुलाई को आरम्भ होने वाले प्रत्येक छह मास के दौरान निकासी की जाती है, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना इससे उपाबन्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट देसी बिनोले के तेल की उतनी मात्रा पर,—

(क) जो ऐसे वनस्पति उत्पाद के विनिर्माण के प्रयोग में ली जाती है, और

(ख) जो ऐसे वनस्पति उत्पाद के विनिर्माण के दौरान या तो स्वयं ही अथवा किसी अन्य पदार्थ के साथ मिलाए जाने पर, हाईड्रोजिनेशन द्वारा कड़ी हो गई है,

उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट दरों पर संगणित रकम के समतुल्य है।

सारणी

क्रम सं० वनस्पति उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त देसी बिनोले के तेल की मात्रा जो या तो स्वयं ही अथवा किसी अन्य पदार्थ के साथ मिलाए जाने पर हाईड्रोजिनेशन द्वारा कड़ी हो गई है ऐसे देसी बिनोले के तेल की प्रति मीटरी टन दर जो या तो स्वयं ही अथवा किसी अन्य पदार्थ के साथ मिलाए जाने पर, हाईड्रोजिनेशन द्वारा कड़ी हो गई है

(1)	(2)	(3)
1	उक्त वनस्पति उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त ऐसे देसी बिनोले के तेल की हाईड्रोजिनेशन द्वारा कड़ी हो गई उतनी मात्रा पर जितनी उक्त वनस्पति उत्पाद के कुल भार के 30 प्रतिशत से अधिक हो किन्तु 40 प्रतिशत से अधिक न हो।	दो सौ रुपये
2	उक्त वनस्पति उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त देसी बिनोले के तेल की हाईड्रोजिनेशन द्वारा कड़ी हो गई उतनी मात्रा पर जितनी उक्त वनस्पति उत्पाद के कुल भार के 40 प्रतिशत से अधिक हो किन्तु 50 प्रतिशत से अधिक न हो।	दो सौ पचास रुपये

(1)

(2)

(3)

- 3 उक्त वनस्पति उत्पाद के विनिर्माण दो सौ रुपए में प्रयुक्त देसी बिनीले के तेल की हाईड्रोजिनेशन द्वारा कड़ी हो गई, उतनी अतिशेष मात्रा पर जितनी उक्त वनस्पति उत्पाद के कुल भार के 50 प्रतिशत से अधिक हो।

परन्तु,—

- (i) उक्त वनस्पति उत्पाद की वास्तव शुल्क से कोई ऐसी छूट वहां अनुज्ञात नहीं होगी जहां देसी बिनीले के तेल की वह मात्रा जो या तो स्वयं ही या किसी अन्य पदार्थ के साथ मिलाए जाने पर हाईड्रोजिनेशन द्वारा कड़ी हो गई है, ऐसे वनस्पति उत्पाद के कुल भार का 30 प्रतिशत से अधिक नहीं है।
- (ii) इस अधिसूचना के अधीन किसी ऐसे वनस्पति उत्पाद पर शुल्क की जितनी रियायत दी गई है,—
- (क) उसकी संगणना उक्त सूची में विनिर्दिष्ट विभिन्न दरों पर अलग-अलग की जाएगी और इस प्रकार संगणित रकमों का योग निकाला जाएगा; और.
- (ख) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 173-छ में विनिर्दिष्ट निर्धारित के लेखा-चालू में जमा खाने की जाएगी।

[सं० 209/76-के०उ०शु०]

एन० राजा, अव्वर सचिव।